

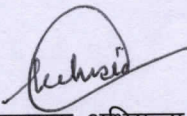
परियोजना का नाम :- मुख्यमंत्री ग्राम सड़क संयोजन योजना के अन्तर्गत जनपद चमोली के विकास खण्ड पोखरी में रौता-मालकोटी-सेरा तक मोटर मार्ग के नव निर्माण हेतु ^{1.04 ई.} भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

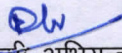
वैकल्पिक संरेखणों को निरस्त किये जाने का प्रमाण-पत्र

प्रस्तावित परियोजना हेतु दो स्थलों पर विचार किया गया। स्थल संख्या-2 से अधिक वृक्ष प्रभावित होते हैं तथा क्षेत्रीय जनता भी इस संरेखण से सहमत नहीं है। जिस पर भू-वैज्ञानिक द्वारा भी इस संरेखण को मार्ग निर्माण हेतु भू-गर्भीय पर्यावरणीय दृष्टिकोण के आधार पर स्थाइत्व के विचार से अनुपयुक्त पाये जाने पर निरस्त किया जाता है। जबकि संरेखण संख्या-1 से कम वृक्ष प्रभावित होते हैं तथा क्षेत्रीय जनता भी इस संरेखण से सहमत है। भू-वैज्ञानिक द्वारा भी इस संरेखण को मार्ग निर्माण हेतु उपयुक्त पाये जाने पर संरेखण संख्या-1 मार्ग निर्माण हेतु उपयुक्त है।


अमीन
नि०ख०, लो०नि०वि०
पोखरी


कनिष्ठा अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो०नि०वि०
पोखरी


सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो०नि०वि०
पोखरी


अधिशास्त्री अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो०नि०वि०
पोखरी

तुलनात्मक विवरण

क्र.सं.	मद का नाम	सरेखण सं०-1 लाल रंग से	सरेखण सं०-2
1	मुख्य विशेषताएँ एवं विवरण	3	4
2	प्रस्तावित दृष्टिकोण से सरेखण की लम्बाई	यह सरेखण उडामाण्डा-रौता से मालकोटी-सेरा मोटर मार्ग के कि०मी० 31.00 के (है० 6-8) से प्रारम्भ होता है एवं सीधे ग्राम मालकोटी-सेरा को जोड़ता है। इस सरेखण से सीधे ग्राम मालकोटी-सेरा को जोड़ता है। इस सरेखण से ग्राम रौता व मालकोटी-सेरा लाभान्वित होंगे।	यह सरेखण उडामाण्डा-रौता से मालकोटी-सेरा मोटर मार्ग के कि०मी० 31.00 के (है० 6-8) से प्रारम्भ होता है एवं सीधे ग्राम मालकोटी-सेरा को जोड़ता है। इस सरेखण से ग्राम रौता व मालकोटी-सेरा लाभान्वित होंगे।
3	वर्तमान यातायात के साधन	पैदल मार्ग	पैदल मार्ग
1	वन पंचायत भूमि	2.700 कि.मी.	2.000 कि.मी.
2	कृषि योग्य भूमि	2.300 कि.मी.	3.000 कि.मी.
3	आरक्षित भूमि	0.000 कि.मी.	0.000 कि.मी.
4	सूर्य प्रकाशित भूमि	पूर्ण लम्बाई में	पूर्ण लम्बाई में
5	भू-स्थलन	शून्य	शून्य
6	भूमि की संरचना	कठोर चट्टान व मिट्टी एवं बोल्टर	कठोर चट्टान व मिट्टी एवं बोल्टर
7	बनस्पति	कृषि योग्य भूमि पर मुख्यतः स्थानीय फल, गेहूँ, धान, दालें आदि होती हैं तथा चीड़ के वृक्ष एवं झाड़ीयां हैं।	कृषि योग्य भूमि पर मुख्यतः स्थानीय फल, गेहूँ, धान, दालें आदि होती हैं तथा चीड़ के वृक्ष एवं झाड़ीयां हैं।
8	मार्ग का ढलान	1:20 तथा 1:40	1:20 तथा 1:40
9	अनुप्रस्थ ढाल	45° - 65°	40° - 70°
10. 1-	सामान्य ढलान की लम्बाई	4.500 किमी०	3.500 किमी०
2-	तीखे ढलान की लम्बाई	0.500 किमी०	1.500 किमी०
11. 1-	कठोर चट्टान की लम्बाई	60 प्रतिशत	80 प्रतिशत
2-	कोमल चट्टान की लम्बाई	40 प्रतिशत	20 प्रतिशत
12.	अस्थिर भूमि की लम्बाई	शून्य	शून्य
13. 1-	साधन - लकड़ी	उपलब्ध है।	उपलब्ध है।
2-	पत्थर	उपलब्ध है।	उपलब्ध है।
14	स्थानीय मजदूर	70: स्थानीय 30: बाहरी	70: स्थानीय 30: बाहरी

[Signature]

[Signature]
अधिशाली अभियन्ता
निर्माण खास सेक्टर-10
गोखरी

[Signature]
AF

क्र.सं.	वर्षा का निकास	3	4
15	छोटा पुल	शून्य	शून्य
16	कुल संख्या	शून्य	शून्य
17	एवमोटी-सेरा	6 नं०	6 नं०
18	बड़े पुल	शून्य	शून्य
19	कुल संख्या	शून्य	शून्य
20	विस्तार	शून्य	शून्य
21	वर्षा व जलवायु की दशा	वर्षा औसत जलवायु ठण्डी	वर्षा औसत जलवायु ठण्डी
22	लाभान्वित ग्रामों की संख्या	ग्राम रौता व मालकोटी-सेरा लाभान्वित होंगे।	ग्राम रौता व मालकोटी-सेरा लाभान्वित होंगे।
23	वर्तमान मोटर मार्ग के निर्माणधीन मोटर मार्ग का सम्बन्ध	यह सरेखण उडामाण्डा-रौता मोटर मार्ग के कि०मी० 31.00 (है० 6-8) में से प्रारम्भ होता है।	यह सरेखण उडामाण्डा-रौता मोटर मार्ग के कि०मी० 31.00 (है० 6-8) में से प्रारम्भ होता है।
24	सामरिक महत्व	इस मार्ग के बनने से सुदूर क्षेत्र के ग्रामों को यातायात की सुविधा होगी तथा सामरिक रूप से महत्वपूर्ण मार्ग होगा।	इस मार्ग के बनने से सुदूर क्षेत्र के ग्रामों को यातायात की सुविधा होगी तथा सामरिक रूप से महत्वपूर्ण मार्ग होगा।
25	कृषि एवं फल की दृष्टि	इस क्षेत्र की मुख्य कृषि सम्पदा जैसे गेहूँ, धान, माल्टा, नींबू, आलू, दाले आदि स्थानीय उत्पादन में सुविधा मिलेगी।	इस क्षेत्र की मुख्य कृषि सम्पदा जैसे गेहूँ, धान, माल्टा, नींबू, आलू, दाले आदि स्थानीय उत्पादन में सुविधा मिलेगी।
26	वन सम्पदा का उपयोग	जड़ी-बूटी व वन सम्पदाओं का निर्यात होने से क्षेत्रीय जनता लाभान्वित होगी।	जड़ी-बूटी व वन सम्पदाओं का निर्यात होने से क्षेत्रीय जनता लाभान्वित होगी।
27	खनिज एवं अन्य सम्पदा का उपयोग	उपलब्ध खनिजों का निर्यात होने से क्षेत्रीय जनता लाभान्वित होगी।	उपलब्ध खनिजों का निर्यात होने से क्षेत्रीय जनता लाभान्वित होगी।
28	1- लाभ	यह सरेखण तहसील पोखरी के नागपुर क्षेत्र के दर्जनो ग्राम को तहसील पोखरी के अन्तर्गत आने वाले अत्यन्त पिछड़े क्षेत्र ग्राम रौता व मालकोटी-सेरा को जोड़ता है। इस मार्ग के बनने से रौता व मालकोटी-सेरा क्षेत्र की समस्त जनता आर्थिक सामाजिक तथा शैक्षिक रूप से लाभान्वित होगी।	यह सरेखण तहसील पोखरी के नागपुर क्षेत्र के दर्जनो ग्राम को तहसील पोखरी के अन्तर्गत आने वाले अत्यन्त पिछड़े क्षेत्र रौता व मालकोटी-सेरा को जोड़ता है। इस मार्ग के बनने से रौता व मालकोटी-सेरा क्षेत्र की समस्त जनता आर्थिक सामाजिक तथा शैक्षिक रूप से लाभान्वित होगी।
29	2- हानि	ग्रामवासी इस सरेखण से सहमत हैं। इस सरेखण में ग्राम सेरा की पेयजल लाइन को मलवे से क्षति होने की सम्भावना है। अतः सरेखण नं० 1 जो लाल रंग से अंकित किया गया है, को स्वीकृत करने की संस्तुति की जाती है।	इस सरेखण में कठोर चट्टान अधिक होने से मार्ग निर्माण की लागत अधिक आयेगी एवं ग्राम सेरा की पेयजल लाइन को मलवे से क्षति होने की सम्भावना है। ग्रामवासी इस सरेखण से सहमत नहीं हैं। अतः यह सरेखण उपयुक्त नहीं है।

कनिष्ठ अभियन्ता
नि०ख०लो०नि०वि०, पोखरी

सहायक अभियन्ता
नि०ख०लो०नि०वि०, पोखरी

अधिशाली अभियन्ता
नि०ख०लो०नि०वि०, पोखरी